**भारत सरकार**

**शिक्षा मंत्रालय**

**स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1358**

**उत्तर देने की तारीख : 06.12.2021**

**पश्चिम बंगाल में केंद्रीय विद्यालय/जवाहर नवोदय विद्यालय**

**†1358. श्री खगेन मुर्मु**:

**श्री दीपक अधिकारी** (**देव**):

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि मालदा जिले में प्रतिवर्ष प्राप्त होने वाले आवेदनों की संख्या की तुलना में वहां केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या बहुत कम है;

(ख) यदि हां, तो इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि हजारों छात्र अपने करियर विकल्पों को सीमित करते हुए उक्त जिले को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छोड़ने को मजबूर हैं या अन्य स्थानों पर जाने के लिए मजबूर हैं, और अधिक केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या सरकार मालदा उत्तर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समसी में नागरिक क्षेत्र के लिए केन्द्रीय विद्यालय खोलने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) पश्चिम बंगाल राज्य में अब तक कितने नवोदय विद्यालय खोले गए हैं।

(ङ) क्या सरकार पश्चिम बंगाल राज्य, विशेषकर मालदा उत्तर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में और अधिक नवोदय विद्यालय खोलने की योजना बना रही है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं**?**

**उत्तर**

**शिक्षा मत्रालय में राज्य मंत्री**

(**श्रीमती अन्नपूर्णा देवी**)

(क) से (ग) नया केन्द्रीय विद्यालय (केवि) खोलना एक सतत प्रक्रिया है। केंद्रीय विद्यालयों को मुख्य रूप से रक्षा और अर्द्धसैनिक बलों के कार्मिकों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्चतर शिक्षण संस्थानों (आईएचएल) के कर्मचारियों

सहित केन्द्र सरकार के स्थारनांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को एक समान शैक्षिक पाठ्यक्रम के माध्यम से पूरा करने के लिए खोला जाता है। नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्ताव पर तभी विचार किया जाता है यदि उसे मंत्रालय अथवा भारत सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रायोजित किया गया हो और नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए संसाधनों की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई हो। विभिन्न प्रायोजक प्राधिकरणों से प्राप्त प्रस्तावों, जो नए केंद्रीय विद्यालय खोलने संबंधी पूर्व-अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, को ऐसे अन्य प्रस्तावों के साथ 'चुनौती पद्धति' के तहत प्रतिस्पर्धा करनी होती है और ये सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अध्यधीन होता है।

वर्तमान में, पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 03 केंद्रीय विद्यालयों सहित 62 केंद्रीय विद्यालय (केवि) कार्यात्मक हैं। केन्द्रीय विद्यालय संगठन को पश्चिम बंगाल राज्य सरकार से समसी, मालदा, उत्तर संसद निर्वाचन क्षेत्र में एक नया केवि खोलने के लिए निर्धारित प्रोफार्मा में कोई भी प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

(घ) से (च) नवोदय विद्यालय योजना में ग्रामीण क्षेत्रों से विशेष रूप से प्रतिभावान छात्रों को गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा प्रदान करने हेतु देश के प्रत्येक जिले में एक जवाहर नवोदय विद्यालय (जनवि) खोलने की परिकल्पना की गई है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सभी जिलों (31 मई, 2014 के अनुसार), जिन्होंने योजना स्वीकार कर ली है, को शामिल कर लिया गया है। नए जनवि को खोलना एक सतत प्रक्रिया है, जो विद्यालय भवन के निर्माण हेतु अपेक्षित उपयुक्त नि:शुल्क भूमि उपलब्ध कराने और स्थायी भवन निर्मित किए जाने तक विद्यालय को शुरू करने के लिए आवश्यक अस्थायी किरायामुक्त आवास उपलब्ध कराने की संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की इच्छा पर निर्भर करता है। हालांकि, जनवि की वास्तविक संस्वीकृति और उन्हें खोला जाना निधि की उपलब्धता और सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन पर निर्भर करता है।

पश्चिम बंगाल राज्य में संस्वीकृत कुल 20 जवाहर नवोदय विद्यालयों (जनवि) में से 19 पहले ही स्थापित हो चुके हैं और मालदा जिले में शेष 01 जनवि उपयुक्त अस्थायी आवास और राज्य सरकार द्वारा नवोदय विद्यालय समिति के पक्ष में भूमि के अंतरण के अभाव में गैर-कार्यात्मक है।

*****